एम ए एस ओ

# समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओ 107: सामाजिक विज्ञान के शोध आधार

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

**पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ**
**सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-107/सत्रीय कार्य/ टीएमए/ 2026-27**

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमन बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

| **सत्रीय कार्य** | **जमा कराने की तारीख** | **किसे भेजें** |
|---|---|---|
| जुलाई **2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी** | **31 मार्च, 2027** | **संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक** |
| **जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी** | **30 सितम्बर, 2027** | |

**जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें।** यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

## सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय**
**एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम**
**एमएसओ 107:** सामाजिक विज्ञान के शोध आधार
**अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)**

**कुल अंक : 100** **कार्यक्रम कोड : एमएएसओ**
**अधिभारिता : 30%** **पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-107**
**सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-107/सत्रीय कार्य/टीएमए/2026-27**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

अंक

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अन्वेषण के तर्क (Logic of Inquiry) की व्याख्या कीजिए। यह सामाजिक वास्तविकता की सामान्य-बोध (Common-sense) समझ से किस प्रकार भिन्न है? 20

2. 'निचले स्तर से समझना' का क्या अर्थ है? समाजशास्त्रीय अनुसंधान में इसके महत्व की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 20

3. ज्ञानमीमांसा (Epistemology) क्या है? सामाजिक विज्ञान शोध में ज्ञानमीमांसा से संबंधित प्रमुख मुद्दों का परीक्षण कीजिए। 20

4. सामाजिक अनुसंधान में अनुभवजन्य दृष्टिकोण (Empirical Approach) क्या है? इसकी व्याख्या कीजिए। 20

5. सामाजिक विज्ञान के दर्शन में फ्रांसिस बेकन (Bacon) के योगदान की चर्चा कीजिए। 20

6. सामाजिक अनुसंधान में नारीवादी दृष्टिकोण (Feminist Approach) का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

7. भाष्यशास्त्र (Hermeneutics) क्या है? सामाजिक क्रिया और अर्थ को समझने में इसके योगदान की चर्चा कीजिए। 20

8. प्रत्यक्षवाद (Positivism) के प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण की प्रमुख आलोचनाओं को प्रस्तुत कीजिए। 20

9. तुलनात्मक पद्धति (Comparative Method) के प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। सामाजिक शोध में इसके उपयोग का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

10. सामाजिक वास्तविकता को समझने के लिए सांस्कृतिकवादी दृष्टिकोण (Culturalist Approach) की व्याख्या कीजिए। 20